SEMESTER-4 BY-Dr. Shyam Bihari choudhary

TOPIC- Research Methodology

Camlin Page Page (1)
Date 10.05.20

3.1 अनुसन्धान प्रविधि

इसके अन्तर्गत अनुसन्धान समस्या/TOPIC के अनुरूप समीचीन ढंग से गहनतापूर्वक विचार-विमर्श करना होता है कि किस तरह की अनुसन्धान समस्या/प्रश्न के लिए कौन सी विधि/प्रविधि उपयुक्त होगी जिससे कि उचित व प्रामाणिक निष्कर्ष प्राप्त किया जा सके। इस क्रम में अनुसन्धान की प्रकृति पर भी विचार करना आवश्यक सा हो जाता है। प्रकृति पर विचार किये बिना Research Technique का निर्धारण बहुत ही असंगत होगा। इसके लिए कई विधियों पर को सूक्ष्मतापूर्वक देखना होता है एवं निर्धारण करना होता है कि हमारी अनुसन्धान समस्या के अनुकूल अमुक विधि है। अमुक विधि को उदाहरण तौर पर समझें जैसे - दार्शनिक विधि, ऐतिहासिक विधि, प्रयोगात्मक विधि, कारण तुलनात्मक विधि, सर्वेक्षण विधि... — — —

जैसे किसी अनुसन्धाता का लघुशोध/शोध प्रबन्ध का TOPIC (शीर्षक) इस प्रकार है -

"बिहार राज्य के माध्यमिक एवं नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों की आकांक्षास्तर-अध्ययनस्वभाव- बुद्धि - शैक्षिकोपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन" है।

इस अनुसन्धान समस्या पर विचार करने से ज्ञात होता है कि प्रस्तुत या उपरोक्त अनुसन्धान शैक्षिक अनुसन्धान का विषय है यह न्यायसंगत है एवं इसी के अनुरूप ही विधि/प्रविधि का चयन संगत व परिणाम/निष्कर्ष के लिए लाभदायक/उपयोगी सिद्ध होगा।

Scanned with CamScanner